IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 8, June 2025
Impact Factor: 7.67

हिंदी भाषा के संवर्धन एवं संरक्षण में सोशल मीडिया की भूमिका

डॉ शशि रंजन अकेला

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल, मध्यप्रदेश

सारांश :–

वर्तमान युग सूचना और प्रौद्योगिकी का युग है, जहाँ सोशल मीडिया संवाद, विचार–विनिमय एवं अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम बन चुका है। हिंदी भाषा, जो भारत की सांस्कृतिक और भाषायी पहचान का प्रमुख स्तंभ है, अब डिजिटल मंचों के माध्यम से एक नवीन स्वरूप में उभर रही है। यह शोध पत्र हिंदी भाषा के संवर्धन और संरक्षण में सोशल मीडिया की भूमिका का गहन विश्लेषण प्रस्तुत करता है। इसमें यह दर्शाया गया है कि कैसे फेसबुक, ट्विटर (अब एक्स), यूट्यूब, इंस्टाग्राम, ब्लॉग्स, पॉडकास्ट्स आदि मंचों ने हिंदी को नई पीढ़ी तक पहुँचाया है, उसे आधुनिक संदर्भों में जीवंत बनाए रखा है, और साथ ही उसकी विविधता एवं व्याकरणीय शुद्धता की रक्षा में भी योगदान दिया है।

शोध यह भी इंगित करता है कि सामाजिक मीडिया पर हिंदी के बढ़ते प्रयोग के साथ–साथ कुछ चुनौतियाँ भी उत्पन्न हुई हैं, जैसे रोमन लिपि का अत्यधिक प्रयोग, 'हिंग्लिश' का बढ़ता चलन तथा भाषा की व्याकरणीय शुद्धता की उपेक्षा। तथापि, इन बाधाओं के मध्य भी सोशल मीडिया हिंदी को वैश्विक स्तर पर पहुँचाने का एक सशक्त मंच सिद्ध हो रहा है। अतः यह आवश्यक है कि नीतिगत, तकनीकी और सामाजिक प्रयासों के माध्यम से इस माध्यम का अधिकतम लाभ उठाया जाए और हिंदी भाषा के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित किया जाए।

शब्द कुंजी :– हिंदी भाषा, सोशल मीडिया, भाषा संरक्षण, डिजिटल मंच, भाषायी विकास।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in

DOI: 10.48175/IJARSCT-28150